पायस के उत्पाद

- फुल क्रीम दूध – 500 मि.ली. एवं 1 लीटर
- टोंड दूध – 500 मि.ली. एवं 1 लीटर
- डबल टोंड दूध – 200 मि.ली., 500 मि.ली. एवं 1 लीटर
- पायस का दानेदार शुद्ध घी – 1 लीटर एवं 15 किलोग्राम

- क्षेत्र विशेष मिनरल मिक्सचर – 1 किलो
- मुद्रिका पशु आहार – प्रति बैग 50 किलो
- मुद्रिका गोल्ड पशु आहार – प्रति बैग 50 किलो

PAAYAS™

पायस मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी

पूँजी हम किसानों की...

PAAYAS™

पायस मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी

एक परिचय

- पायस, कम्पनी अधिनियम 1956 के भाग 9-A के तहत गठित उत्पादक कम्पनी है।
- कम्पनी, 19 मई 2012 को गठित हुई व 1 दिसंबर 2012 से कम्पनी के सभी कार्यकलापों का संचालन शुरू हुआ।
- संस्कृत भाषा में खीर या अमृत को 'पायस' कहते हैं।
- कम्पनी का लोगो, पायस का पहला अक्षर 'प' का आकार दर्शाता है व साथ ही साथ एक उत्साहित किसान के व्यक्तित्व का चित्रण करता है।
- कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय है:-

पायस मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
डी- 232,233, चतुर्थ तल, एटलांटिस टावर,
वैशाली नगर, जयपुर- 302021 (राजस्थान)

पायस के विषय में

- पायस एक मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी है जिसमें सिर्फ दुग्ध उत्पादक ही इसके सदस्य बन सकते हैं।
- कम्पनी का स्वामित्व सदस्यों के पास ही रहता है।
- सदस्यों का वोटिंग अधिकार सुरक्षित होता है जिसमें एक सदस्य को एक वोट देने का अधिकार होता है।
- कम्पनी के शेयरों को सिर्फ सदस्यों के मध्य ही हस्तांतरित किया जा सकता है।
- सदस्यों को शेयर पूँजी पर, कम्पनी के वार्षिक मुनाफे के अनुसार, सीमित डिविडेन्ड मिलता है, साथ ही व्यापार में भागीदारी पर आधारित प्रोत्साहन राशि/बोनस भी मिलता है।

मूल्य (Values)

" हम सभी पायस कम्पनी के इन मूल्यों के प्रति कटिबद्ध हैं। "

1. ईमानदारी एवं पारदर्शिता
2. टीम भावना
3. गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता हर स्तर पर
4. दीर्घकालीन दृष्टि
5. नवविचार (Innovation)
6. जूनून (Passion)

ध्येय (Mission)

- पायस दूध उत्पादक कम्पनी अपने सदस्यों के दूध उत्पादन की लागत को कम करते हुए, दूध उत्पादन एवं सदस्यों के दूध व्यवसाय से अर्जित लाभ को बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है।

दीर्घ दृष्टि (Vision)

- अपने ध्येय–प्रतिबद्धता के साथ, पायस दूध संस्था विश्व की दूध व्यवसाय की अग्रणी संस्थाओं में जानी जायेगी एवं अपने समस्त सदस्यों, उपभोक्ताओं एवं कर्मचारियों के लिए पहली पंसद होगी।

पायस का सदस्य बनने की प्रक्रिया

पायस कम्पनी की सदस्यता उसी अवधि के दौरान प्राप्त की जा सकती है जिस अवधि के लिए सदस्यता खोली गई हो।

सदस्यता प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि उस गाँव में पायस कम्पनी का मिल्क पूलिंग पॉइन्ट हो।

एक परिवार से एक ही व्यक्ति पायस कम्पनी का सदस्य बन सकता है। एक परिवार का वह है जिसमें परिवार के सदस्य एक साथ रहते हों और जिनकी साझी रसोई हो।

सदस्यता प्राप्त करने के इच्छुक दूध उत्पादक को कम्पनी का निर्धारित आवेदन फार्म भरकर तथा फेसिलीटेटर से सत्यापित कराकर जमा कराना होता है।

सदस्य बनने के लिए दूध उत्पादक को अपने आवेदन पत्र के साथ सौ रूपये प्रति शेयर की कीमत से कम से कम पाँच शेयर खरीदने होते हैं जिसका भुगतान दूध के बिल की अदायगी से या चैक/ड्राफ्ट (नये एमपीपी के लिए) के द्वारा किया जा सकता है।

बोर्ड के द्वारा उत्पादकों की सदस्यता मंजूर किए जाने के दिन से उनकी सदस्यता प्रभावी होती है।

पायस की सदस्यता बनाये रखने की शर्तें

- समस्त सदस्यों को वर्ष में कम से कम 200 दिन दूध की आपूर्ति करनी होगी।
- समस्त सदस्यों को वर्ष में कम से कम 500 लीटर दूध की आपूर्ति करनी होगी।
- एक वित्तीय वर्ष में कम्पनी को दिए जाने वाले दूध की मात्रा पर, एक रूपये प्रति लीटर के हिसाब से कम्पनी में शेयर पूँजी लेनी होगी।
- एक वित्तीय वर्ष में सदस्य द्वारा सर्दी के महीनों (नवम्बर से फरवरी) में दूध आपूर्ति, गर्मी के महीनों (अप्रैल से जुलाई) की आपूर्ति के तीन गुणे से ज्यादा नहीं होने चाहिए।

पायस एम.पी.सी. के सदस्य बनने की शर्तें चार,
सही दूध की कीमत और संग मिले सुविधाएं अपार ।

PAAYAS™

पायस मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी

आप भी पायस एम.पी.सी. (मिल्क प्रोडयूसर कम्पनी) के सदस्य और हिस्सेदार बन सकते हैं,

- आपके गाँव में पायस एम.पी.पी. (मिल्क पूलिंग पॉइंट) हो।
- आपके घर में अपनी गाय या भैंस हो, जिसका दूध आप पायस एम.पी.सी. में देना चाहते हैं।
- आप पायस एम.पी.सी. की सदस्यता की सभी शर्तो को पूरा करने और निभाने को तैयार हैं।
- आप पायस एम.पी.सी. के द्वारा निर्धारित गुणवत्ता का दूध आपूर्ति के लिए तैयार हैं।

पायस के सदस्यों का वर्गीकरण

अलग अलग श्रेणी के सदस्यों के वर्गीकरण का आधार

वर्गीकरण का आधार	एक वर्ष में दूध देने के दिनों की संख्या के आधार पर	एक वर्ष में दूध देने की कुल मात्रा के आधार पर	जाड़े (नवम्बर से फरवरी) और गर्मी (अप्रैल से जुलाई) में दूध आपूर्ति के अनुपात	कम्पनी में पूँजी लगाने के आधार पर कम्पनी में ली गई हिस्सा राशि (शेयर)
वर्ग–सी	एक वर्ष में कम से कम 200 दिन दूध की आपूर्ति करे	एक वर्ष में कम से कम 500 लीटर दूध आपूर्ति करे	जाड़े गर्मी का अनुपात 3:1 से अधिक नही	कम से कम 5 शेयर (500 रुपया)
वर्ग–बी	एक वर्ष में कम से कम 270 दिन दूध आपूर्ति करे	एक वर्ष में 2000 लीटर से 6000 लीटर के बीच दूध आपूर्ति करे	जाड़े गर्मी का अनुपात 3:1 से अधिक नही	कम से कम 20 शेयर (2000 रुपया)
वर्ग–ए	एक वर्ष में कम से कम 270 दिन दूध की आपूर्ति करे	एक वर्ष में 6000 लीटर या उससे अधिक दूध आपूर्ति करे	जाड़े गर्मी का अनुपात 3:1 से अधिक नही	कम से कम 60 शेयर (6000 रुपया)

सदस्य बनने के फायदे

- शेयर पूंजी पर डिविडेन्ड
- दुग्ध संकलन की न्यायसंगत व पारदर्शी प्रणाली
- व्यापार में भागीदारी पर आधारित प्रोत्साहन राशि/ बोनस
- नियमित और समय पर दूध के मूल्य की अदायगी
- सदस्यों का प्रशिक्षण और क्षमता विकास
- दूध की प्रतिस्पर्द्धी कीमत पाना
- उत्पादकों के स्वामित्व वाली, दक्षतापूर्वक प्रबंधित डेयरी उद्यम में हिस्सेदारी

पायस प्रदत्त तकनीकी सुविधाऐं

आदर्श सदस्य की प्रमुख ज़िम्मेदारियाँ

- अपने घर के सारे बिक्री योग्य अवशेष दूध को साल की पायस में आपूर्ति करना।
- वार्षिक दूध की मात्रा के अनुरूप पायस की हिस्सा पूँजी में योगदान करना।
- पायस में नियमित रूप से और समय पर गुणवत्ता युक्त दूध की आपूर्ति करना।
- पायस की तकनीकी सुविधाओं का उपयोग करना तथा इन सेवाओं में सुधार के लिए अपनी राय समय पर देना।
- पायस को सही और समय पर पूरी जानकारी उपलब्ध कराना।
- पायस के बारे में ग्रामीणों में सही सूचनाओं का प्रसार करना तथा यदि कम्पनी के बारे में कोई गलत प्रचार चलाया जा रहा है तो उसको हतोत्साहित करना।
- गाँव के अन्य दूध उत्पादकों खासकर महिलाओं का पायस का सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करना।
- एमपीपी स्तर पर कार्यरत वीसीजी, एमआरजी, सहायक और एलआरपी के आद्यतन जानकारी से अपने आपको अवगत रखना।
- पायस के द्धारा आयोजित प्रशिक्षण और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए समय देना।
- कम्पनी की सदस्यता से संबंधित निर्णयों और महत्वनूर्ण गतिविधियों एवं घटनाओं के बारे में अवगत कराना।
- पायस व्यापार को अपने व्यापार की तरह पहचानना और इसे मजबूत बनाने के लिए अपने स्तर पर कदम उठाना।
- पायस के ध्येय, मूल्य और दीर्घ दृष्टि के अनुरूप सारे कार्यो में इनकी अनुपालना करना।

"पायस के ये विलेज कांटैक्ट ग्रुप (वी.सी.जी.) आपके और कम्पनी के बीच के हैं सम्पर्क सूत्र हैं"

विलेज कांटैक्ट ग्रुप (वि. सी. जी.) की जिम्मेवारियाँ:

- गाँव के सभी दुग्ध उत्पादक किसानों को पायस एम.पी.सी से संबंधित वो जानकारी देना, जो कम्पनी अपने सदस्यों तक पहुँचाना चाहती है।
- गाँव के सभी दुग्ध उत्पादक किसानों को पायस एम.पी.सी. के सदस्य बन कर दूध आपूर्ति करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- पायस एम.पी.सी. के सदस्यों को बैठक की सूचना देना।
- दुग्ध उत्पादक किसानों और पायस एम.पी.सी. के बीच संवाद की मजबूत कड़ी का काम करना।

पायस के संचालन के लिए आवश्यक मापदंड

- पायस दुग्ध उत्पादक सदस्यों की कम्पनी है और वे ही इसके मालिक हैं।
- सिर्फ पायस के सदस्य ही कम्पनी को ही दूध दे सकते हैं।
- सदस्य अपने दूध की वार्षिक मात्रा की वचनबद्धता के अनुसार 1 रू. प्रति लीटर की दर से शेयर पूँजी में निवेश करने के लिए कटिबद्ध है।
- पारदर्शिता बनाये रखने के लिए सदस्यों का बैंक में खाता होना चाहिए जिससे पायस द्वारा सभी भुगतान सीधे उनके खाते में किये जा सकें।
- एमपीपी पर दूध की जांच व वजन की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः ऑटोमैटिक होती है।
- एमपीपी व एमसीसी से दूध की स्थानीय बिक्री (लोकल सेल) नहीं की जा सकती है।

महिलाओं की भागीदारी के लाभ

- महिलाएँ, दुग्ध उत्पादन को अपने रोजगार का साधन बना सकती है।
- दुग्ध उत्पादन संबंधित अधिकांश कार्यो का संचालन महिलाएँ करती है किन्तु सदस्यता के नाम पर न होने के कारण दूध का भुगतान उनके हाथों में नहीं जा पाता है।
- महिलाओं में बचत की प्रवृत्ति होती है जो पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने में मददगार साबित होती है।
- पशु पालन से संबंधित अधिकांश कार्यो का संचालन महिलाएँ करती है इसलिए महिलाओं को प्रशिक्षित एवं जागरूक कर नई तकनीक को शीघ्र अपनाया जा सकता है तथा उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है।

डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका

भारत में ग्रामीण महिलाएँ ही डेयरी का आधार है

- महिलाऐं घरेलू स्तर पर सारी गतिविधियों का संचालन करती हैं।
- महिलाओं का 90 प्रतिशत समय मवेशियों के पालन-पोषण व उनकी देखभाल में जाता है।
- पशुपालन में महिलाओं का मुख्य योगदान है, जैसे: खेत से चारा लाना, स्वास्थ्य की देखरेख, साफ सफाई एवं दुग्ध उत्पादन।
- महिलाएँ घरेलु उपयोगी एवं बेचने हेतु दूध का संकलन भी करती है, घर के लिए घी बनाने एवं अन्य दूध के उत्पाद बनाने का निर्णय भी महिलाएँ ही लेती हैं।
- महिलाएँ स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए उत्तरदायी हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए कदम

- उनको डेयरी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उन्हें डेयरी की क्षमता बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग व प्रशिक्षण दें, जिससे वे आत्मनिर्भर और सशक्त बन सकें।

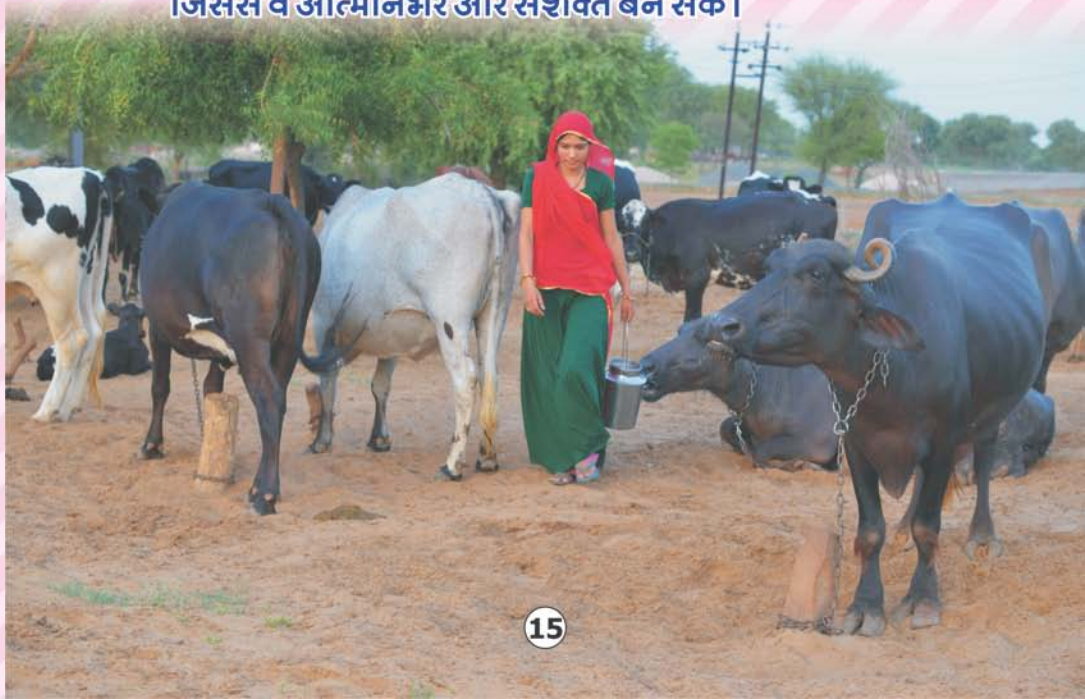

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन

1.साफ एवं निरोगी पशु

2. साफ-सुथरी जगह

3. पीने का साफ पानी

4. साफ-सुथरे स्टेनलेस स्टील के बर्तन

5. साफ-सुथरे दूध दोहने वाले

6. दोहते समय हरा चारा खिलायें

7. थन धोकर साफ कपड़े से सुखाएँ

8. दुहने से पहले हाथ साबुन से धो लें

9. थनों से पहली धार अलग निकाल लें

10. दुहने के बाद थनों को साफ पानी से धोकर जीवाणुनाशक घोल में डुबोएँ

11. दूध को ढक कर जल्द से जल्द एमपीपी तक पहुँचाएँ

12. साफ-सुथरा एमपीपी

सौजन्य NDDB

व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए निम्न बातों का ध्यान दें:

- नियमित रूप से स्नान करें
- हमेशा साफ कपड़े पहने
- नाखून छोटे रखें
- दुग्ध संग्रह से पहले हाथ धोएँ
- हाथ धोने के लिए हमेशा साबुन का प्रयोग करें
- शौच के बाद हाथों को साबुन से अच्छे से धोएँ।
- अगर सर्दी या खांसी हो तो दूध से जुड़े कार्य न करें
- अगर हाथ में घाव हो तो स्वयं दूध न दुहें, किसी और से करवाएँ
- मुरूष बालों को छोटा एवं महिलाएँ बालों को बाँधकर रखें

नोटः

कम्प्यूटराइज्ड दुग्ध विवरण एवं बैंक खाते में भुगतान की व्यवस्था

- पायस कम्पनी पूर्ण रूप से कम्प्यूटराइज्ड है तथा अपने प्रत्येक सदस्यों का दूध आपूर्ति की मात्रा, फैट, एसएनएफ एवं भुगतान का विवरण अपने स्तर पर रखती है।
- परिचालन स्तर पर दुग्ध व्यवसाय वृद्धि हेतु नियोजन को बढ़ावा देने के लिए सदस्यों को मासिक तथा वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाती है।
- सदस्यों को दूध का भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में जमा कराया जाता है।
- ग्राम स्तर पर किसी भी शंका का समाधान वस्तुनिष्ठ तथ्यों के आधार पर किया जाता है।